बढ़ता चालू खाता घाटा

प्रलिम्सि के लयि:

चालू खाता घाटा, भारतीय रज़िर्व बैंक, सकल घरेलू उत्पाद, भुगतान संतुलन

मेन्स के लयि:

भारत के चालू खाता घाटे के कारक

चर्चा में क्यों?

हाल ही में जारी ब्रटिशि ब्रोकरेज फर्म बार्कलेज की एक रपिोर्ट के अनुसार, जुलाई 2021 से भारत का व्यापार घाटा (Trade Deficit) लगातार बढ़ रहा है। इस चालू खाता घाटा (Current Account Deficit- CAD) का कारण कच्चे तेल की कीमतों के बढ़ने से कमोडटिी/जसिों की कीमतों में हुई वृद्धि है।

- मार्च 2021 तक CAD के 45 अरब डॉलर या जीडीपी के 1.4% तक पहुँचने की संभावना थी। यह कमज़ोर आर्थकि सुधार पर दबाव डालेगा।

प्रमुख बदिु

- **परभिाषा: चालू खाता घाटा तब होता है जब कसिी देश द्वारा आयात की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं का कुल मूल्य उसके द्वारा नर्यात की जाने वाली वस्तुओं एवं सेवाओं के कुल मूल्य से अधकि हो जाता है।**
    - माल के नर्यात और आयात संतुलन को 'व्यापार संतुलन' (Trade Balance) कहा जाता है। व्यापार संतुलन 'करंट अकाउंट बैलेंस' का एक हसि्सा है।
- **भारत के चालू खाता घाटे के कारक:**
    - **उच्च तेल आयात:** भारत में तेल की मांग का लगभग 85% आयात के माध्यम से पूरा कयिा जाता है।
        - इसके कारण यह अनुमान लगाया गया है कि वैश्वकि कच्चे तेल की कीमतों में प्रतबिैरल 10 डॉलर की वृद्धि से व्यापार घाटा 12 अरब डॉलर या सकल घरेलू उत्पाद (Gross Domestic Product- GDP) के 35 बेससि पॉइंट (Basis Points-bps) तक बढ़ जाएगा।
    - **सोने का अधकि मात्रा में आयात:** वदिशी मुद्रा को कम करने वाला एक और कारक सोने का अधकि मात्रा में आयात करना है।
        - घरेलू मांग में सुधार और मौजूदा त्योहारी सीज़न के कारण सोने का आयात बढ़ रहा है।
        - वशि्व स्वर्ण परषिद (World Gold Council) के अनुसार, इस वर्ष सोने की मांग वर्ष 2020 के स्तर को पार कर जाएगी और उम्मीद व्यक्त की जा रही है कि बढ़ते धन के प्रवाह और आय को देखते हुए सोने की मांग उच्च बनी रहेगी।
    - **सेवाओं का सकारात्मक पक्ष:** रपिोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2020 में मासकि सेवाओं का अधशिेष वर्ष 2019 के औसतन 6.6 बलियिन डॉलर से बढ़कर 7 बलियिन डॉलर तथा वर्ष 2021 के पहले नौ महीनों में 8 बलियिन डॉलर हो गया है।
- **समग्र प्रभाव: रपिोर्ट में कसिी भी नकारात्मक स्थति के उत्पन्न होने से इनकार कयिा गया है और बताया गया है कि** वदिशी मुद्रा भंडार का उच्च स्तर **मैक्रो स्टेबलिटिी (Macro Stability) या भुगतान संतुलन के समक्ष कोई बड़ा जोखमि उत्पन्न नहीं करता है।**
    - हालाँकि मांग में सुधार के समुच्चय/संयोजन के रूप में घाटे की बढ़ती प्रवृत्ति कुछ समय के लयि जारी रह सकती है तथा कमोडटिी की बढ़ती कीमतों से व्यापार घाटा तेज़ी से बढ़ेगा।

भुगतान संतुलन:

- **परभिाषा:**
    - भुगतान संतुलन (Balance Of Payment-BoP) का अभप्राय ऐसे सांख्यकिी ववरिण से है, जो एक नशि्चति अवधि के दौरान कसिी देश के नविासियों के वशि्व के साथ हुए मौद्रकि लेन-देनों के लेखांकन को रकिॉर्ड करता है।
- **BoP की गणना का उद्देश्य:**
    - यह नर्धारति करने के लयि इसे एक संकेतक के रूप में इस्तेमाल कयिा जा सकता है कि देश में मुद्रा के मूल्य में बढ़ोतरी हो रही है या

मूल्यह्रास हो रहा है।
  - यह राजकोषीय और व्यापार नीतियों पर निर्णय लेने में सरकार की मदद करता है।
  - किसी देश के अन्य देशों के साथ आर्थिक व्यवहार का विश्लेषण और उसे समझने के लिये महत्त्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है।
- **BoP के घटक:**
  - एक देश का BoP खाता तैयार करने के लिये विश्व के अन्य हिस्सों के बीच इसके आर्थिक लेन-देन को चालू खाते, पूंजी खाते, वित्तीय खाते और त्रुटियों तथा चूक के तहत वर्गीकृत किया जाता है। यह विदेशी मुद्रा भंडार **(Foreign Exchange Reserve)** में परिवर्तन को भी दर्शाता है।
  - **चालू खाता: यह दृश्यमान (जिसे व्यापारिक माल भी कहा जाता है- व्यापार संतुलन का प्रतिनिधित्व करता है) और अदृश्यमान वस्तुओं (गैर-व्यापारिक माल भी कहा जाता है) के निर्यात तथा आयात को दर्शाता है।**
    - अदृश्यमान में सेवाएँ, विप्रेषण और आय शामिल हैं।
  - **पूंजी खाता: यह किसी देश के पूंजीगत व्यय और आय को दर्शाता है।**
    - यह एक अर्थव्यवस्था में निजी और सार्वजनिक निवेश दोनों के शुद्ध प्रवाह का सारांश देता है।
  - **बाहरी वाणिज्यिक उधार** (External Commercial Borrowing), **प्रत्यक्ष विदेशी निवेश** (Foreign Direct Investment), **विदेशी पोर्टफोलियो निवेश** (Foreign Portfolio Investment) आदि पूंजी खाते के हिस्से हैं।
  - **त्रुटियाँ और चूक:** कभी-कभी भुगतान संतुलन की स्थिति न होने के कारण इस असंतुलन को BoP में त्रुटियों और चूक (Errors and Omissions) के रूप में दिखाया जाता है। यह सभी प्रकार के अंतर्राष्ट्रीय लेन-देन को सही ढंग से रिकॉर्ड करने में देश की अक्षमता को दर्शाता है।
  - **विदेशी मुद्रा भंडार में परिवर्तन: मुद्रा भंडार में होने वाले उतार-चढ़ाव में** भारतीय रिज़र्व बैंक **(RBI) द्वारा धारित विदेशी मुद्रा आस्तियों में परिवर्तन और** विशेष आहरण अधिकार **(SDR) परिवर्तन शामिल है।**
  - कुल मिलाकर BoP खाते में अधिशेष या घाटा हो सकता है। यदि कोई घाटा है तो उसे विदेशी मुद्रा **(Forex)** खाते से पैसे लेकर पूरा किया जा सकता है।
    - यदि विदेशी मुद्रा खाते का भंडार कम हो रहा है तो इस परिदृश्य को **BoP संकट** कहा जाता है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rising-current-account-deficit